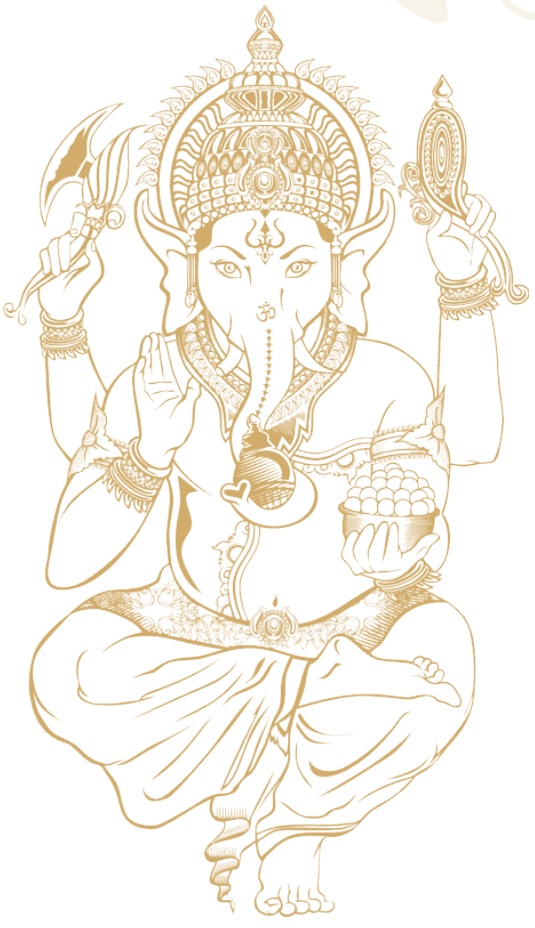

Pavan

02 Aug 1987

11:55 AM

Mahendragarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/08/1987**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:55:00 घंटे**
इष्ट	15:19:21 घटी
स्थान	**Mahendragarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:17:00 उत्तर
रेखांश	76:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:29:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:11:13 घंटे
सूर्योदय	05:47:15 घंटे
सूर्यास्त	19:14:58 घंटे
दिनमान	13:27:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:46:09 कर्क
लग्न के अंश	05:07:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:07:21	313:18:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	15:46:09	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	09:10:10	13:03:04	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	23:14:36	00:38:10	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			मिथु	28:20:46	01:34:36	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	05:32:28	00:03:24	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	09:59:23	01:13:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	21:05:00	00:01:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	10:07:44	00:00:37	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	10:07:44	00:00:37	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:24:35	00:01:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	12:04:37	00:01:17	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	13:31:48	00:00:31	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	06:54:51	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:00

लग्न-चलित

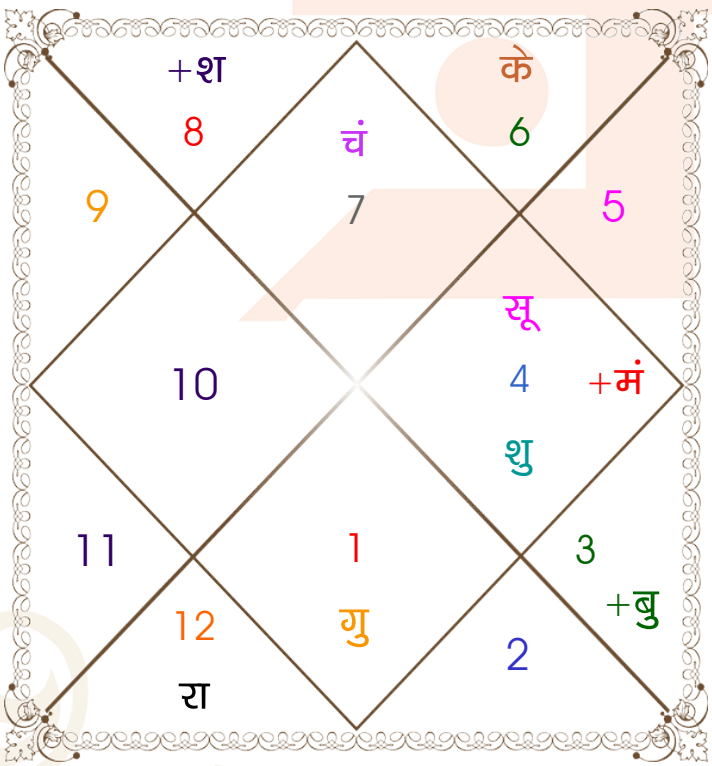

चन्द्र कुंडली

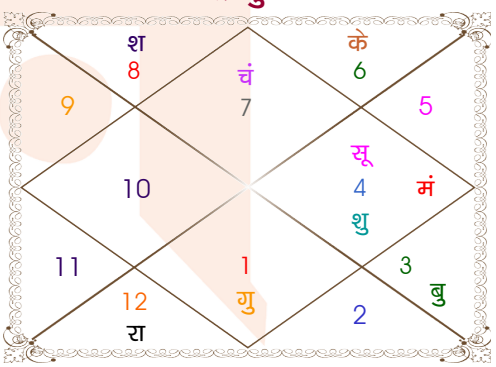

नवमांश कुंडली

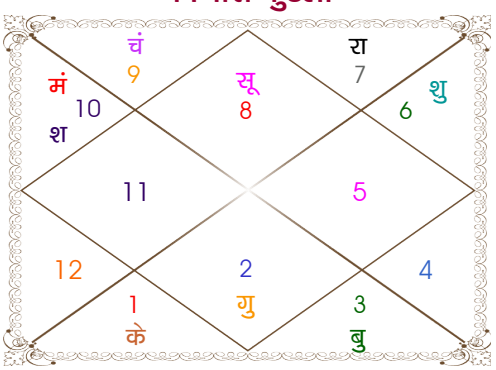

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 7 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/08/1987		16/03/2002		16/03/2018		16/03/2037		16/03/2054	
16/03/2002		16/03/2018		16/03/2037		16/03/2054		16/03/2061	
	02/08/1987	गुरु	04/05/2004	शनि	19/03/2021	बुध	13/08/2039	केतु	13/08/2054
गुरु	22/04/1989	शनि	15/11/2006	बुध	27/11/2023	केतु	09/08/2040	शुक्र	13/10/2055
शनि	27/02/1992	बुध	20/02/2009	केतु	05/01/2025	शुक्र	10/06/2043	सूर्य	18/02/2056
बुध	15/09/1994	केतु	27/01/2010	शुक्र	07/03/2028	सूर्य	15/04/2044	चंद्र	18/09/2056
केतु	04/10/1995	शुक्र	27/09/2012	सूर्य	17/02/2029	चंद्र	15/09/2045	मंगल	14/02/2057
शुक्र	03/10/1998	सूर्य	16/07/2013	चंद्र	18/09/2030	मंगल	12/09/2046	राहु	04/03/2058
सूर्य	28/08/1999	चंद्र	15/11/2014	मंगल	28/10/2031	राहु	31/03/2049	गुरु	08/02/2059
चंद्र	26/02/2001	मंगल	22/10/2015	राहु	03/09/2034	गुरु	07/07/2051	शनि	19/03/2060
मंगल	16/03/2002	राहु	16/03/2018	गुरु	16/03/2037	शनि	16/03/2054	बुध	16/03/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/03/2061		16/03/2081		17/03/2087		16/03/2097		17/03/2104	
16/03/2081		17/03/2087		16/03/2097		17/03/2104		00/00/0000	
शुक्र	16/07/2064	सूर्य	04/07/2081	चंद्र	15/01/2088	मंगल	12/08/2097	राहु	28/11/2106
सूर्य	16/07/2065	चंद्र	02/01/2082	मंगल	15/08/2088	राहु	31/08/2098	गुरु	03/08/2107
चंद्र	17/03/2067	मंगल	10/05/2082	राहु	14/02/2090	गुरु	07/08/2099		00/00/0000
मंगल	16/05/2068	राहु	04/04/2083	गुरु	16/06/2091	शनि	16/09/2100		00/00/0000
राहु	17/05/2071	गुरु	21/01/2084	शनि	14/01/2093	बुध	13/09/2101		00/00/0000
गुरु	15/01/2074	शनि	02/01/2085	बुध	16/06/2094	केतु	09/02/2102		00/00/0000
शनि	16/03/2077	बुध	09/11/2085	केतु	15/01/2095	शुक्र	11/04/2103		00/00/0000
बुध	15/01/2080	केतु	16/03/2086	शुक्र	15/09/2096	सूर्य	17/08/2103		00/00/0000
केतु	16/03/2081	शुक्र	17/03/2087	सूर्य	16/03/2097	चंद्र	17/03/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।